★ प्रस्ताव 59 के पक्ष में तर्क ★

राजनीति से ज्यादा धन प्राप्त करने और लोगों की, लोगों के द्वारा और लोगों के लिए चुनी सरकार को फिर से बहाल करने लिए प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें।

कॉरपोरेशंस और अरबपतियों को हमारे चुनावों को खरीदने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

बल्कि संयुक्त राज्य सुप्रीम कोर्ट ने दुर्भाग्यपूर्ण *Citizens United v. FEC* के फैसले में ठीक यही किया। इस पथभ्रष्ट निर्णय ने कॉरपोरेशंस को मानव समुदाय के रूप में समान "अधिकार" और स्वतंत्रता दी कि वे हमारे चुनावों में असीमित धन राशियां खर्च करें। अन्य हालिया निर्णयों ने उन चिर-स्थायी कानूनों को उलट दिया जो चुनाव में अरबपतियों द्वारा कितना धन खर्चा किया जाए इसपर सीमा लगाते थे।

नतीजतन, कॉरपोरेशंस और उनके अरबपति मालिक हमारे चुनावों के नतीजों को उनके पक्ष में करने के लिए अपार धन राशियां खर्च कर रहे हैं।

कॉरपोरेशंस और अरबपतियों की California के मतदाताओं की तुलना में ज्यादा मत नहीं होना चाहिए। चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने और हमारी आवाजों को बाधित करने के लिए कॉरपोरेशंस बड़ी धनराशियां खर्च करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट गलत था और उसे सही होना चाहिए।

हमारी अर्थव्यवस्था में कॉरपोरेशंस एक अहम भूमिका निभाते हैं। पर कॉरपोरेशंस जनता नहीं होते हैं। वे मत नहीं डालते हैं, हमारे देश के लिए युद्ध में बीमार नहीं होते, या मरते नहीं हैं। संविधान की रचना मानव समुदायों की रक्षा के लिए गई थी, न कि कॉरपोरेशंस के लिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कॉरपोरेशंस को प्रदत्त अधिकार उन्हें असली जनता—जो मतदाता, उपभोक्ता, कामगार और छोटे व्यवसाय के मालिक हैं, की आवाजों को दबाने में मदद करते हैं।

हम जनता को चुनावों को प्रभावित करने के लिए उम्मीदवारों और दूसरे लोगों द्वारा धन की उगाही और खर्चे पर उचित सीमा लगानी चाहिए।

प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें और कांग्रेस को अमेरिकी संविधान में एक संशोधन पारित करने को कहें, जो इस तीव्र राजनैतिक खर्चों पर विराम लगाए।

California के मतदाता पूर्व में हमारे राज्य और स्थानीय सरकारों को निर्देश देने और उनमें सुधार लाने के लिए मतपत्र उपायों का इस्तेमाल कर चुके हैं। प्रस्ताव 59 हमें इस अहम मुद्दे पर कदम उठाने में मदद करता है।

असली अभियान वित्त सुधार केवल तभी हो सकता है जब पूरे देश के जनसाधारण का एकजुट समर्थन प्राप्त हो। आइए हम अपना फर्ज निभाएं और प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करते हैं।

हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अभी कदम उठाने के लिए कांग्रेस को एक संदेश दें।

प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें।

BEN ALLEN, राज्य सीनेटर

MICHELE SUTTER, सह-संस्थापक
मनी आउट वोटर्स इन

KATHAY FENG, कार्यकारी निदेशक
California कॉमन कॉज

★ प्रस्ताव 59 के पक्ष में तर्क का खंडन ★

प्रस्ताव 59 कुछ नहीं करता है।

समर्थक भी मानते हैं कि *यह विधेयक दरअसल "कांग्रेस को एक संदेश देता है।"*

वे मानते हैं कि कॉरपोरेशंस "हमारे देश की अर्थव्यवस्था में एक अहम भूमिका निभाते हैं।"

विधानमंडल को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट के आदेश को उलटकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमा लगाने के लिए मतपत्र पर निरर्थक विधेयकों को थोपने पर रोक लगाना चाहिए।

कॉरपोरेशंस धन देती हैं। मजदूर यूनियनें धन देती हैं। जनता धन देती है। वे सभी अपने पसंद के उम्मीदवारों को समर्थन देने के लिए और जिन उम्मीदवारों को वे पसंद नहीं करते उनका विरोध करने के लिए ऐसा करते हैं।

प्रस्ताव 59 के समर्थक कहते हैं, लोगों "के पास चुनावों को प्रभावित करने के लिए उम्मीदवारों और दूसरे लोगों द्वारा धन की उगाही और खर्चे पर उचित सीमा लगाने का अधिकार होना चाहिए।"

कौन तय करेगा कि वे उचित सीमाएं क्या हैं?

यह कांग्रेस?

यह विधानमंडल?

क्या आप वाकई चाहते हैं कि वर्तमान में पद पर आसीन राजनेताओं के पास ऐसे लोगों या संगठनों की आवाज को बंद कराने की ताकत हो, जो हमारी सरकार के काम करने के तौर-तरीकों में बदलाव लाना चाहते हैं?

प्रस्ताव 59 पर कानून का कोई दबाव नहीं है। यह कुछ नहीं करता है।

हम सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों से सहमत हुए हैं। हम सभी कई दूसरे फैसलों से असहमत हुए हैं।

एक चीज जिसपर डेमोक्रैट, रिपब्लिकन और गैर-दलीय मतदाता सहमत हो सकते हैं *कि सुप्रीम कोर्ट को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए* और विजेताओं और पराजितों के चुनाव से उसे दूर रहना चाहिए।

प्रस्ताव 59 कुछ चुनिंदा लोगों द्वारा एक राजनैतिक वक्तव्य है, जो कइयों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। मतपत्र पर कुछ-नहीं करने की सलाह देने के बजाए, विधानमंडल को पारदर्शिता पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए और जनता के लिए काम शुरु करना चाहिए।

प्रस्ताव 59 पर नहीं में मतदान करें। . . . यह कुछ नहीं करता है। . . . इसका कुछ भी मतलब नहीं है।

JEFF STONE, राज्य सीनेटर
28वां डिस्ट्रिक्ट

K.H. ACHADJIAN, असेंबली सदस्य
35वां डिस्ट्रिक्ट

इस पृष्ठ पर छपे हुए तर्क लेखकों के विचार हैं, और उन्हें शुद्धता के लिए किसी भी आधिकारिक एजेंसी के द्वारा जाँचा नहीं गया है।

★ प्रस्ताव 59 के विरुद्ध तर्क ★

प्रस्ताव 59 हमारे समय और हमारे करदाता के डॉलरों की एक बड़ी बरबादी है।

यह कहने के लिए कि वे अभियान वित्त सुधार चाहते हैं और Sacramento में विशेष हितों की ताकतों पर अंकुश लगाना चाहते हैं, विधानमंडल ने मतपत्र पर यह गैर-बाध्यकारी सलाहकार विधेयक रखा, लेकिन इसने इस तरह का कुछ नहीं किया। इसके बजाए यह दलील देता है कि *अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता* छोटे कारोबारियों और उन दूसरे लोगों पर लागू नहीं होनी चाहिए, जो एक कॉरपोरेशन के रूप में निगमित होना चाहते हैं। यह विधेयक इनमें विफल रहता है:

- यह उम्मीदवारों और निर्वाचित अधिकारियों को मिलने वाले कॉwरपोरेट चंदों को प्रतिबंधित करने या सीमित करने में विफल है।
- यह उम्मीदवारों या निर्वाचित अधिकारियों को मिलने वाले यूनियन चंदों को प्रतिबंधित करने या सीमित करने में विफल है।
- यह राजनैतिक दलों को मिलने वाले कॉरपोरेट चंदों को प्रतिबंधित करने या सीमित करने में विफल है।
- यह राजनैतिक दलों को मिलने वाले यूनियन चंदों को प्रतिबंधित करने या सीमित करने में विफल है।

इसके बजाए, प्रस्ताव 59 California के कांग्रेस सदस्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन को बदलने को कहता है। क्या आप वाकई चाहते हैं कि यह कांग्रेस प्रथम संशोधन में छेड़छाड़ करे, जो निम्नलिखित की गारंटी और सुरक्षा प्रदान करता है:

- अपने धर्म को मानने का आपका अधिकार?
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आपका अधिकार?
- स्वतंत्र प्रेस का आपका अधिकार?
- दूसरों के साथ शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने और सहयोग करने का आपका अधिकार?
- अपनी सरकार पर याचिका दायर करने का आपका अधिकार?

प्रस्ताव 59 के समर्थक यह तर्क देते हैं कि "कॉरपोरेशंस जनता नहीं होते।" पर, कई चर्च निगमीकृत हैं। अखबार और टेलीविजन नेटवर्क निगमीकृत हैं। Facebook, Google, और Twitter निगमीकृत हैं। यहां तक कि कॉमन कॉज, लीग ऑफ़ विमैन वोटर्स, और अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (ACLU) भी निगमीकृत हैं। लोगों को अपने संवैधानिक अधिकारों को इसलिए नहीं खोना चाहिए कि वे किसी निगमित कंपनी या संगठन से जुड़ने का फैसला लेते हैं।

हमारे मतपत्रों को गैर-बाध्यकारी विधेयकों से बाधित नहीं होना चाहिए।

यह पहला है, बल्कि यदि आप "हां" पर मतदान करते हैं, तो निश्चित रूप से यह आखिरी होगा। इसके बजाए, आपका नहीं पर मतदान करने से विधानमंडल को एक स्पष्ट संदेश जाएगा:

- हमारे धन की बरबादी को रोको—यह विधेयक करदाताओं के आधा मिलियन या अधिक डॉलरों की कीमत चुकाता है।
- हमारे मतपत्र को निरर्थक विधेयकों से बाधित करना बंद करो, जो बेकार हैं।
- वर्ष-भर मिलने वाले राजनैतिक चंदों का 24 घंटे के भीतर खुलासा करना शुरु करो।
- अपना काम करना शुरु करो। हमारी चरमराई हुई शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करो। हमारी टूटी हुई सड़कों को दुरुस्त करो। हमें अपराध से बचाओ।

अमेरिका या California में कोई व्यक्ति मौजूदा राजनैतिक दशा को पसंद नहीं करता है। बल्कि प्रस्ताव 59 एक "फील-गुड" विधेयक है जो राजनीति में खर्च होने वाले धन का खुलासा करने के लिए कुछ नहीं करता है।

कृपया प्रस्ताव 59 पर नहीं में मतदान करें। यह कुछ नहीं करता है।

JEFF STONE, राज्य सीनेटर
28वां डिस्ट्रिक्ट

KATCHO ACHADJIAN, राज्य असेंबली सदस्य
35वां डिस्ट्रिक्ट

★ प्रस्ताव 59 के विरुद्ध तर्क का खंडन ★

विरोधी के बहकाने वाले डराने के दाँव-पेचों से मूर्ख मत बनिए।

प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के दुर्भाग्यपूर्ण *Citizens United* फैसले को यदि बदला नहीं जाता है तो हम उन सुधारों को कभी लागू नहीं कर पाएंगे, जिन्हें हमें कॉरपोरेशंस एवं अमीर विशेष हितों को हमारे चुनावों को खरीदने से रोकने की जरूरत है।

विरोधी आपको यह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि *Citizens United* को उलटने से आपके प्रथम संशोधन अधिकार प्रभावित होंगे। केवल बड़े धन हित जो हमारे चुनावों पर अपना नियंत्रण करना चाहते हैं *Citizens United को बदलने से भयभीत हैं।*

कॉरपोरेशंस को मनुष्यों जैसे अधिकार नहीं होने चाहिए—उन्हें हमारे चुनावों को नियंत्रित करने के लिए असीमित मात्रा में धन खर्च करने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। बल्कि *CITIZENS UNITED* का फैसला उन्हें यही करने की सहूलियत देता है! यह कॉरपोरेट और संघ राजनैतिक खर्चों पर से सीमा को हटाता है।

डेमोक्रैट, रिपब्लिकन, और स्वतंत्र मतदाता सहमत हैं कि *Citizens United* को एक संविधान संशोधन द्वारा बदलना जाना चाहिए। कांग्रेस को कदम उठाने को कहने के लिए प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें।

Citizens United को बदलने से सार्थक अभियान वित्त सुधार को एक राह मिलेगी जो आम अमेरिकियों को हमारे चुनावों का स्वामित्व वापस करेगा! प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करने से कांग्रेस को एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि हम जनता चुनावों के दौरान अपनी आवाज उठाना चाहते हैं।

विरोधियों को मूर्ख न बनाने दें—कॉरपोरेशंस और अरबपतियों को हमारे चुनावों को खरीदने की अब आगे अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

राजनीति से ज्यादा धन प्राप्त करने और लोगों की, लोगों के द्वारा और लोगों के लिए चुनी सरकार को फिर से बहाल करने लिए प्रस्ताव 59 पर हां में मतदान करें।

MARK LENO, राज्य सीनेटर

MICHELE SUTTER, सह-संस्थापक
मनी आउट वोटर्स इन

KATHAY FENG, कार्यकारी निदेशक
California कॉमन कॉज

इस पृष्ठ पर छपे हुए तर्क लेखकों के विचार हैं, और उन्हें शुद्धता के लिए किसी भी आधिकारिक एजेंसी के द्वारा जाँचा नहीं गया है।